CLASS :- [1] पाषाण युग [(STONE AGE)]

इतिहास

- प्राचीन इतिहास
- मध्यकालीन इतिहास
- आधुनिक इतिहास

* पुरातत्व (Archaeology) और इतिहास में अंतर *

पुरातत्व:

- लिखित साक्ष्य नही होते है जिनको हम पढ़ सके॥
- यहाँ पर हमे चीजे खुदाई से पता चलती है॥

इतिहास:

- लिखित होता है

पुरातत्व (Archaeology)

- पाषाण युग (Stone Age)
- ताम्र युग (COPPER AGE)
- कांस्य युग [Bronze Age]

→ आयरन Age इसके बाद शुरु होती है वो पुरातत्व का भाग नही है।

→ Stone, Copper और Bronze Age बोलने का कारण यह है क्योंकि इस युग में जो लोग रहते थे वो पत्थर use करते थे फिर धीरे धीरे उनको कॉपर के बारे में पता चला फिर copper use करने लगे पत्थर की जगह फिर copper से उनको टिन मिल गया उन दोनो को mix करके एक मिश्रधातु बना ली → Bronze (पीतल) वो युग (time period) "Bronze Age" कहलाया।

पाषाण युग (Stone Age)	ताम्र युग Copper Age	कांस्य युग Bronze Age

पाषाण युग + ताम्र युग → **प्रागैतिहासिक काल (Pre Historic period)**

कांस्य युग → **आद्य-ऐतिहासिक काल (Proto-Historic period)**

* हड़प्पा वाला Bronze Age है

प्रागैतिहासिक काल:

* ये इतिहास (History) से पहले का है इसीलिए Pre + Historic कहलाता है
* यहाँ पर हमें कोई लिखित साक्ष्य नही मिला था।

आद्य-ऐतिहासिक काल:

* यह इतिहास का वो भाग है जहाँ पर हमें लिखित साक्ष्य मिला है लेकिन उसे पढ़ा नही जा सका।
* इसीलिए इसे 'आद्य-ऐतिहासिक काल' बोलते हैं।

Note:- इन सबके बाद जो Iron मिलता है उसको Actual में हम इतिहास (History) मानते है। अर्थात आयरन युग इतिहास माना जाता है।

→ आयरन तब मिलता है जब वैदिक संस्कृति शुरु होती है ; वहाँ पर अलग अलग वेद लिखे गये → ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद तो वहाँ की चीजो को हम पढ़ भी पाते हैं → इसीलिए वो "इतिहास" है।

→ आयरन Age इसीलिए बोलते है क्योंकि सबसे पहले हमें आयरन वहीं पर मिला

पाषाण युग (Stone Age)

Stone tools उपयोग के आधार पर इसको हमने 3 भागो में बाँटा

पुरापाषाण काल Palaeolithic period	मध्यपाषाण काल Mesolithic period	नवपाषाण काल Neolithic period
[5 लाख BC से 10,000 BC]	[9000 BC से 4000 BC]	[7000 BC - 1000 BC]
Direct पत्थर को उठाकर उपयोग करते थे	इसमें दो पत्थरो को तोड़कर उसे नुकीला बना लेते थे	इसमें पत्थरो में पॉलिश करना सीख गये

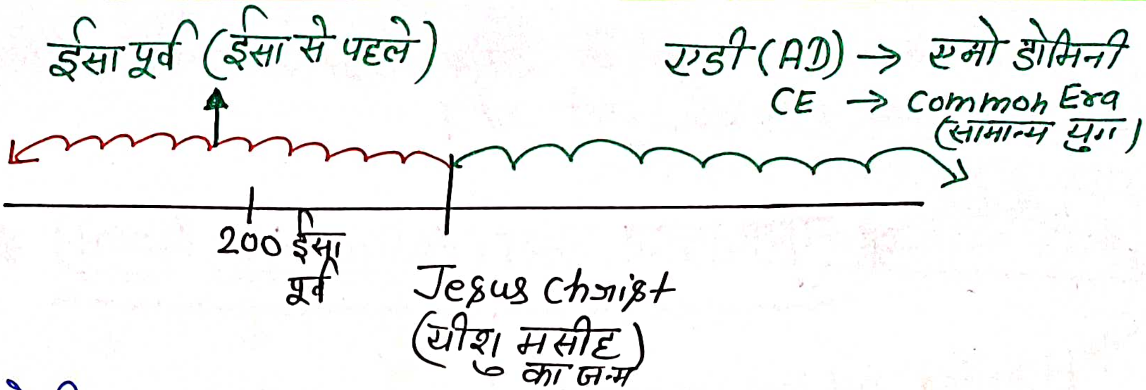

→ कुछ ऐसी sites है जहाँ से हमे ये पता चला कि यहाँ पर पुरापाषाण काल, मध्यपाषाण काल या फिर नवपाषाण काल के लोग रहते थे।

→ पृथ्वी ⇢ लगभग 4000 मिलियन साल पुरानी है।

→ भूपर्पटी (Crust) चार stages में विकसित (Evolved) हुयी।

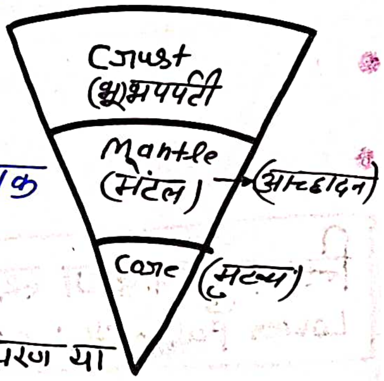

→ 3rd stage तक इस पृथ्वी पर कुछ नही था अब तक मानव जीवन विकसित नही हुआ था।

→ 4th stage को → "Quarternary stage (चतुर्थ-चरण या चतुर्धातुक चरण" कहते है।

इसको हम दो category में बाँटते है

प्लेस्टोसीन (Pleistocene)

* ये सिर्फ 10000BC तक चली थी
* ये हिमयुग (Ice Age) है
* इस Age में हमारी पृथ्वी पर बहुत ज्यादा बर्फ पडती थी।

अभिनव युग (Holocene)

* 10000BC से Holocene युग चालू हो गया था
* इस युग में बर्फ पडना बंद हो गयी और पृथ्वी में हल्की सी गर्माहट (Humidity) आ गयी
  ↓
* जहाँ पर गर्माहट होती है वहाँ पर Flora (पेड़ पौधे) और Fauna (जीव जंतु) फलते फूलते (Flourish) करते है जोकि बर्फ से नही कर सकते।

➡ पुरापाषाण काल Ice Age के समय Exist करता था इसीलिए वहाँ पर बहुत ज्यादा life possible नहीं थी।

* पुरापाषाण काल (Palaeolithic Period) *

Old Stone Age

के लोगों का मुख्य काम → Hunting and Food Gathering (शिकार करना और भोजन संग्रह)

* Stone tools उपयोग के आधार पर 3 भागों में बाँटा

निचला/प्रारंभिक पुरापाषाण काल (Lower/early Palealithic period)

- [5 लाख BC से 50000 BC तक]
- ये पूरा Ice Age में चला था

निम्न पुरापाषाण स्थल Lower Paleolithic Sites

- सोन/सोहन घाटी → पंजाब
- बेलन घाटी (Imp) → उ० प्र० → गुफा और चट्टान आश्रय मिले यहाँ पर। (Cave and Rock shelters)
- डीडवाना (Didwana) → राजस्थान
- नेवासा (Nevasa) → महाराष्ट्र
- हुंसगी/हुनासगी → कर्नाटक
- पहलगाम → कश्मीर
- (Imp) पटने/पटना (Patne) → महाराष्ट्र → सबसे पहले "शुतुरमुर्ग के सबूत" इसी स्थल (sites) से मिले।

मध्य पुरापाषाण काल (Middle paleolithic period)

- [50000 BC से 40000 BC तक]
- यह फ्लेक तकनीक पर आधारित काल है। → दो पत्थर को आपस में टकराकर डिजाइनदार पत्थर (धारदार पत्थर) को create करना।

उच्च पुरापाषाण काल (Upper paleolithic period)

- [40000 BC से 10000 BC तक]
- यह काल last phase of प्लेस्टोसीन से मेल खा (Coincide) कर रहा है। क्योंकि वो भी 10000 तक चली थी।
- इस काल में Modern type of Men (होमोसेपियन्स) की उपस्थिति (Appearance)
- जितने भी इंसान इस पृथ्वी पर रह रहे हैं वो होमो सेपियन्स से ही Belong करते हैं।
- (Imp) उच्च पुरापाषाण काल में ही भीमबेटका जोकि मध्य प्रदेश (भोपाल के पास) में एक जगह है वहाँ पर हमें "गुफाएं/चट्टान आश्रय" देखने को मिले हैं
- Upper paleolithic Age में थोड़ा सा Flint develop होता है।

→ Flint एक तरीके का stone होता है।

अन्य उच्च पुरापाषाणिक स्थल (Upper Paleolithic Sites)

- इनामगांव
- नेवासा
  → महाराष्ट्र
- डीडवाना → राजस्थान

Note:- जो Palaeolithic (पुरापाषाणकाल) के लोग थे वो जानवरों को मारते थे और उनको खा लेते थे यानि सिर्फ Hunting (शिकार) करते थे ये लोग कृषि Agriculture पर नहीं आए थे।

* मध्यपाषाण काल (Mesolithic or Middle Stone Age) *

Meso → Middle, lithic → Stone, Age → Age

A) मूल बातें (Basics) :-

→ यह 9000 या 8000 BC से लेकर 4000 BC तक चला

→ पुरापाषाण काल और नवपाषाण काल के बीच का संक्रमणकालीन चरण है (Transitional phase)

→ गर्म जलवायु के कारण :- प्रदेश में वनस्पतियों (इलाहाबाद के निकट) और जीव-जन्तुओं में वृद्धि

B) भौगोलिक विभाजन (Geographical distribution) :- (कहाँ-कहाँ पर इसकी sites देखने को मिलेगी)

Imp.

(i) लंघनाज → गुजरात में (मेसाना जिला)

(ii) भीमबेटका → मध्य प्रदेश में (भोपाल के निकट)

↳ ये उच्च पुरापाषाण काल में भी थी इसमें हमें मध्यपाषाण काल संस्कृति भी देखने को मिलती है।

(iii) चोपानी मांडो → उत्तर प्रदेश में (इलाहाबाद के निकट बेलन घाटी में)

(iv) वीरभानपुर → पश्चिम बंगाल

(v) बागोर → राजस्थान

(vi) संगनकल्लू → कर्नाटक

(vii) तूतीकोरिन → दक्षिणी तमिलनाडु

gmp

→ मध्यपाषाण काल (Mesolithic period) में हमें Microlith देखने को मिलते हैं।
(Micro ↓ छोटा, lith ↓ Stone)

→ भारत में मध्य पाषाण काल उत्तरपाषाण युग / मध्यपाषाण / सूक्ष्मपाषाण काल (Mesolithic या Microlithic) कहते हैं।

→ ये शिकारी और झुण्ड में घूमने का काम (Hunters and Herders) करते हैं।

Microliths sites सूक्ष्मपाषाण स्थल
↓ निम्नलिखित है

- आदमगढ़ → मध्य प्रदेश
- बागोर → राजस्थान
  - → जानवरों के पाले जाने का सबसे पहला प्रमाण इसी स्थल से पता चला। (Domestication of Animals)

÷ नवपाषाण काल (Neolithic Age) ÷
(New ↓ Stone ↓ Age ↓)

→ ये लोग Food producers (भोजन उत्पादक) थे। → गेहूँ, चावल इत्यादि

→ किसी भी site को Neolithic हम तब बोलते हैं जब हमें वहाँ पर Food के Evidence (प्रमाण) मिल जाते हैं जब तक नहीं मिलते हैं तब तक उसको Mesolithic (मध्यपाषाण) बोलते हैं।

→ इसका time period → 7000 BC से लेकर 1000 BC तक है।
or
10000 BC से लेकर 1000 BC

→ हमें अपने भारतीय Subcontinent में ये सबसे पहले पता चलता है → मेहरगढ़ में (वर्तमान बलूचिस्तान में)

→ मेहरगढ़ में गेहूँ वगैरा मिला था

नवपाषाण युग के महत्वपूर्ण स्थल

- **मेहरगढ़**
  - फसलों : जैसे गेहूँ, जौ कपास के साक्ष्य मिले
  - घरों के साक्ष्य मिले
- **Imp: कश्मीर घाटी** (में दो साइट है)
  - बुर्जहोम —मतलब→ A place of birch (Tree)
  - गुफकराल

Imp: बुर्जहोम :

- यह श्रीनगर से 16 किमी. दूर पश्चिम में है।
- यहाँ पर घरेलू कुत्तों को उनके मालिकों के साथ दफनाया गया। (ये हमें कंकाल से पता चला आदमी के कंकाल के just बगल में कुत्ते का कंकाल मिला)
- यहाँ पर लोग झील के किनारे गड्ढे में रहते थे।

हड्डियों से बने हुए औजार मिलते हैं कश्मीर valley से Neolithic (नवपाषाण) काल में और कहीं नहीं मिलते सिर्फ चिरांद को छोड़कर

गुफकराल

→ गुफ = गुफा ; इसे "कुम्हारों की गुफा" की नाम से भी जाना जाता है (श्रीनगर से 41 km दक्षिण पश्चिम में)

→ ये लोग भी कृषि practice करते थे और पशुओं को पालने का काम।

→ बुर्जहोम और गुफकराल कश्मीर घाटी की साइट (स्थल) है।

अन्य नवपाषाण काल के महत्वपूर्ण स्थल

- **बिहार** → चिरांद → चिरांद में "हड्डी के औजार" मिलते हैं।
- **कर्नाटक** → संगनाकल्लु, ब्रह्मगिरि, मस्की, पिकलीहल, हल्लूर → यहाँ ज्वार, बाजरा की खेती देखने को मिलती है।
- **उत्तर प्रदेश में** → इलाहाबाद में है
- **आंध्र प्रदेश में** → भीमा, कृष्णा और तुंगभद्रा नदी के पास में है
  - बुदिहाल
  - उत्नूर → आंध्र प्रदेश की सबसे पुरानी sites (स्थल)
  - नागार्जुनकोंडा
- **दाओजली हेडिंग**
  - असम में है।
  - यहाँ जेडाइट पत्थर देखने को मिलता है जोकि हरे रंग का होता है।

- तमिलनाडु → पैय्यमपल्ली और कावेरी
- बेलन घाटी → कोल्डिहवा (U.P) और महागरा
  - ↓ सबसे पहले चावल के साक्ष्य यही से मिलते है
  - Note:- गेहूँ के → "मेहरगढ़" से साक्ष्य मिलते है।
- मेघालय में गारो पहाड़ियाँ → ये भी Neolithic sites (नवपाषाण काल के स्थल है)
- One of the 1st Human protocity → कैटल ह्युक:- वर्तमान में 'तुर्की' में है।

मानव प्रोटोसिटी में रहना चालू कर दिए थे।

→ नवपाषाण काल वाले कृषि practice करते है ये पता चला हमे घड़े (Pottery) से।

→ Excess food grains या पानी भरने के लिए इन घड़ो का प्रयोग ये लोग करते थे।

→ घड़ा (Pottery) लाल और काले रंग में मिलता है।

→ भीमबेटका [M.P] → (भोपाल से 45 km दक्षिण में) को छोड़कर और कही से Art (कला) देखने को नही मिली
  ↳ इससे हमे चट्टानो पर बनी पेंटिंग देखने को मिलती है जिसमें इंसान बने है।

→ Neolithic लोग property भी own करते थे।

*अब Stone Age (पाषाण युग) खत्म *

→ क्योकि मानव को उसकी पहली धातु मिल गयी।

→ मानव द्वारा खोजी जाने वाली पहली धातु → कापर (ताँबा)

÷ ताम्रपाषाण काल / ताम्र युग (Copper Age) ÷

- इसे 'Chalcolithic Age' भी कहा जाता है।
- बहुत बडा युग नही रहा है ये।

ताम्रपाषाण काल के जो लोग थे वो अभी भी ग्रामीण समुदाय के ही (Rural comminity) थे।
इसकी कुछ sites स्थल है जोकि निम्नलिखित है

Imp:- ✳ Chalcolithic Sites (ताम्रपाषाण काल के स्थल) ✳

- जो Chalcolithic sites हैं अर्थात जहाँ से ये पता चला कि यहाँ के लोग
(1) Copper (ताँबा) उपयोग करते थे नवपाषाण के बाद में वो राजस्थान, म०प्र०, और महाराष्ट्र के आस पास ही होगी क्योंकि कॉपर यही पर मिलता है

- खेतडी माइंस (→ राजस्थान), मलजखंड (→ म.प्र.) } ये वो Mines है जहाँ से तावाँ यानि कॉपर मिलता है हमे।

(1) दक्षिण-पूर्वी राजस्थान — में दो sites
- अहार (Oldest/earliest chalcolithic) है।
- गिलंड

ये दोनो बनास घाटी के पास देखने को मिलते है
→ गोदावरी की सहायक नदी प्रवरा के पा[स]

(2) पूर्वी भारत
- चिरांद → (गंगा नदी के तट पर)
- बुर्दवान जिला → पश्चिम बंगाल में है।
- मिदनापुर जिला

(3) पश्चिमी मध्य प्रदेश
- मालवा
- कयाथा → कालीसिंध नदी के किनारे
- इरान

(4) पश्चिमी महाराष्ट्र →
- नेवासा
- दैमाबाद → जोर्वे के तहत सबसे बडी site
- चंदोली
- इनामगांव
- नासिक
- नावदाटोली

महाराष्ट्र में जितनी भी sites स्थल है उनको हम जोर्वे (Jorwe) के तहत रखते है
जोर्वे महाराष्ट्र में एक जगह है

- महाराष्ट्र में जहाँ-जहाँ कॉपर (ताँबा) का civilization मिला उसको हम जोर्वे culture बोलते है।
- क्योंकि सबसे-पहले जो मिला वो जोर्वे था और जो सबसे बड़ा है वो भी जोर्वे के है। अन्तर्गत दैमाबाद

* स्वाल्दा → ताप्ती नदी के तट पर है
* गणेश्वर → राजस्थान {यहाँ से हमको कॉपर (ताँबा) के बहुत से औजार मिलते है देखने को}

ताम्रपाषाण काल में दफनाने की आदते ⇒

- वे लोग कलश दफनाने (Urn burial) का अभ्यास करते थे।
- ये लोग घोड़ो और पकी हुयी ईंटो के बारे में नही जानते थे।

ताम्रपाषाण काल के मिट्टी के बर्तन (Pottery) ⇒

- ये लोग काली और लाल मिट्टी के बर्तन प्रयोग करते थे।
- कहीं-कही इन लोगो द्वारा गेरुआ रंग (Olive coulour) के मिट्टी के बर्तन भी प्रयोग किए गए।

One liners (एक नजर में)

- इंडिया शब्द :- इण्डस से आया है उसे संस्कृत में सिंधु कहा जाता है।
- मेगालिथ (कब्र/स्मारक) जो कब्र के चारो ओर गोलाकार आकार में स्थापित पत्थर के टुकडे थे : केयर्न सर्कल
- मेगालिथ को खड़ा करने की प्रथा लगभग :- 3000 साल पहले शुरु हुयी थी।
- नवपाषाण काल में एक सेल्ट है :- एक औजार